CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

CBSE 2026-27

हिंदी पाठ्यक्रम 'अ' (Hindi Course A)

Subject Code: 002 | कक्षा दसवीं (Class X)

अंक योजना – प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – सेट 6

समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

1. यह अंक योजना केवल मूल्य-बिंदु एवं अंक-विभाजन देती है; प्रश्न संबंधित नमूना प्रश्न पत्र (SQP) में दिए गए हैं।
2. उत्तर-पुस्तिका के मूल्यांकन में उपयुक्त एवं सही वैकल्पिक उत्तरों को भी उचित अंक दिए जाएँ।
3. भाषा की शुद्धता, शब्द-सीमा तथा प्रस्तुति का ध्यान रखा जाए।

परीक्षा प्रारूप

खंड	प्रश्न का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंक	कुल अंक
क	अपठित बोध — अपठित गद्यांश एवं अपठित काव्यांश (प्रत्येक में 3 बहुविकल्पीय ×1 + 2 लघु उत्तरीय ×2)	2	7	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण — वाक्य भेद, वाच्य, पद परिचय, अलंकार (प्रत्येक में 5 में से 4 अति लघु उत्तरीय ×1)	4	4	16
ग	क्षितिज-2 पठित गद्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1)	1	5	5
ग	क्षितिज-2 गद्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द)	1	6	6
ग	क्षितिज-2 पठित काव्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1)	1	5	5
ग	क्षितिज-2 काव्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द)	1	6	6
ग	कृतिका-2 — दीर्घ उत्तरीय (3 में से 2 ×4; 50-60 शब्द)	1	8	8
घ	अनुच्छेद लेखन (3 में से 1; लगभग 120 शब्द)	1	6	6
घ	पत्र लेखन — औपचारिक/अनौपचारिक (2 में से 1; लगभग 100 शब्द)	1	5	5
घ	स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्द)	1	5	5
घ	विज्ञापन अथवा संदेश लेखन (लगभग 40 शब्द)	1	4	4
	योग	**15**		**80**

इकाई-वार अंक भार

इकाई	इकाई का नाम	अध्याय / विषय	अंक
क	अपठित बोध	अपठित गद्यांश (7), अपठित काव्यांश (7)	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण	रचना के आधार पर वाक्य भेद (4), वाच्य (4), पद परिचय (4), अलंकार (4)	16
ग	पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (गद्य खंड)	नेताजी का चश्मा, बालगोबिन भगत, लखनवी अंदाज़, एक कहानी यह भी, नौबतखाने में इबादत, संस्कृति	11
ग	पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (काव्य खंड)	सूरदास के पद, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद, आत्मकथ्य, उत्साह व अट नहीं रही है, यह दंतुरित मुसकान व फसल, संगतकार	11
ग	पूरक पाठ्यपुस्तक — कृतिका भाग-2	माता का अँचल, साना-साना हाथ जोड़ि, मैं क्यों लिखता हूँ?	8
घ	रचनात्मक लेखन	अनुच्छेद (6), पत्र (5), स्ववृत्त/ई-मेल (5), विज्ञापन/संदेश (4)	20
	योग		**80**

खंड – क

अपठित बोध (14 अंक)

Q1. **[7]**

(i) (c) ये जनमानस के सुख-दुख, उल्लास और उम्मीद को स्वर देते हैं। **[1]**
(ii) (b) विविध क्षेत्रीय भाषाओं के मेल से **[1]**
(iii) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(iv) (1) आजादी की लड़ाई के दौरान लिखे प्रदीप के गीतों में देशभक्ति की भावना व्यक्त हुई है। (2) स्वाधीनता के साथ हुए देश के विभाजन की विभीषिका को भी इन गीतों में संवेदनशीलता से व्यक्त किया गया है। **[2]**
(v) (1) हिंदी सिनेमा में प्रदीप, नीरज जैसे हिंदी कवियों और साहिर, कैफी, मजरूह जैसे शायरों को एक ही बिरादरी का माना गया। (2) गीतकारों ने हिंदी, उर्दू और विविध बोलियों के मेल से गीत रचे, इसलिए भाषाई भेद नहीं पनपा। **[2]**

Q2. **[7]**

(i) (a) जो दीप जलाकर अंधकार दूर करे **[1]**
(ii) (b) प्रेम से **[1]**
(iii) (a) निष्ठा और सच्चाई का **[1]**
(iv) गुरु अक्षर-अक्षर गढ़कर ज्ञान देते हैं और कठिनाई में राह दिखाते हैं, जिससे विद्यार्थी के सपनों को उड़ान मिलती है। **[2]**
(v) गुरु छड़ी या डाँट के स्थान पर प्रेम और सीख से पढ़ाते हैं, जिससे बच्चों का मन प्रसन्न रहता है। **[2]**

खंड – ख

व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

Q3. **[4]**

(i) जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तब उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। **[1]**
(ii) जैसे ही नवाब साहब ने खीरे के स्वाद का आनंद लिया वैसे ही उनकी पलकें मुँद गईं। **[1]**
(iii) जब आँधी कुछ दूर निकल गई तब हम लोग घर की ओर दौड़े। **[1]**
(iv) जब हम मुक्तेश्वर की यात्रा पर गए तब हमने हिमालय की अभिराम छवि को देखा। **[1]**
(v) रात हुई और तारे चमकने लगे। **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q4. **[4]**

(i) मैं यह काम नहीं कर सकता। **[1]**
(ii) बिना सहारे दादाजी से अब चला नहीं जाता। **[1]**
(iii) कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा लगाया जाता था। **[1]**
(iv) कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है, सकर्मक क्रिया कर्म के लिंग-वचन के अनुसार बदलती है (जैसे – पत्र लिखा गया); भाववाच्य में भाव (क्रिया) की प्रधानता होती है, कर्म नहीं होता, क्रिया सदा अन्य पुरुष पुल्लिंग एकवचन में रहती है (जैसे – मुझसे चला नहीं जाता)। **[1]**
(v) मैंने समय की पाबंदी पर निबंध लिखा। **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q5. **[4]**

(i) सार्वनामिक विशेषण (निश्चयवाचक), एकवचन, स्त्रीलिंग, 'पुस्तक' विशेष्य **[1]**
(ii) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'बंदर' विशेष्य **[1]**
(iii) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक **[1]**
(iv) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एकवचन, कर्ता कारक **[1]**
(v) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'बात' विशेष्य **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q6. **[4]**

(i) उत्प्रेक्षा **[1]**
(ii) अतिशयोक्ति **[1]**
(iii) मानवीकरण **[1]**
(iv) रूपक **[1]**
(v) उपमा **[1]**

(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

खंड – ग

पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक (30 अंक)

Q7. [5]

(i) (a) सभ्यता [1]
(ii) (c) जब वह अपने विवेक से किसी नई चीज़ की खोज करे [1]
(iii) (c) जब कोई वस्तु बिना प्रयत्न प्राप्त हो जाती है तो वह संस्कृति कहलाती है। [1]
(iv) (a) व्यक्ति में विद्यमान उसकी योग्यता, प्रवृत्ति और प्रेरणा का बल [1]
(v) (b) नए तथ्यों को खोजना [1]

Q8. [6]

(i) भगत का संगीत हर आयु-वर्ग पर समान प्रभाव डालता था। उनके पदों से बच्चे झूमते, औरतें गुनगुनाने लगतीं, हलवाहों के पैर ताल से उठते और रोपनी करने वालों की उँगलियाँ ताल पर चलतीं। सारा वातावरण संगीतमय हो जाता था। [2]
(ii) फ्लैट-कल्चर में अकेलापन, परस्पर अलगाव और कृत्रिम जीवन है, जबकि पड़ोस-कल्चर में पारस्परिक सद्भाव, पारिवारिक संबंध और सहज जीवन है। (प्रत्येक बिंदु 1) [2]
(iii) नहीं। नवाब साहब ने लेखक की उपेक्षा की, खीरा छीलने-काटने और नमक-मिर्च बुरकने की पूरी प्रक्रिया की पर बिना खाए सूँघकर फेंक दिया और तृप्ति का दिखावा किया। यह सामान्य नहीं, सनक और दिखावा है। [2]
(iv) शिष्या ने डरते-डरते कहा कि आपकी इतनी प्रतिष्ठा है, अब तो भारत रत्न भी मिल चुका है, फिर भी आप फटी लुंगी पहने रहते हैं। उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ ने उसे समझाते हुए कहा कि ठीक है, आगे से नहीं पहनेंगे, किंतु बनाव-श्रृंगार में लगे रहते तो शहनाई कैसे होती, रियाज़ कैसे होता। [2]
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

Q9. [5]

(i) (a) पत्नी/प्रेयसी की ओर [1]
(ii) (c) अपने अतीत की सुखद स्मृतियों के सहारे [1]
(iii) (b) उस सुख की ओर जो हाथ आते-आते दूर चला गया [1]
(iv) (d) मानवीकरण [1]
(v) (a) कवि का थका जीवन और जीवन-यात्रा का मार्ग [1]

Q10. [6]

(i) यह सुनकर लक्ष्मण मुसकराने लगे और व्यंग्य भरे स्वर में बोले कि बचपन में हमने बहुत-सी धनुहियाँ तोड़ीं, तब आपने ऐसा क्रोध नहीं किया। फिर इस धनुष से इतना मोह क्यों है? [2]
(ii) संगतकार मुख्य गायक का छोटा भाई, शिष्य या दूर का रिश्तेदार होता है। वह मुख्य गायक की गरज़ में अपनी गूँज मिलाकर उसका साथ देने की प्राचीन परंपरा का निर्वाह करता है। [2]
(iii) 'उत्साह' में निराला जी ने बादलों के माध्यम से प्रकृति की वीर और विद्रोही छवि प्रस्तुत की है – गरजते बादल जीवन-जागरण और नवजीवन का संचार करते हैं। 'अट नहीं रही है' में फागुन की वसंत-प्रकृति का रमणीय चित्र है – पल्लवों से लदी डालें, सुगंधित पुष्प-माला और सर्वव्यापी आभा। दोनों कविताओं में प्रकृति केवल बाह्य दृश्य नहीं, बल्कि उत्साह और उल्लास का संवाहक बनाई गई है। [2]
(iv) माँ ही शिशु को पिता से परिचित कराने का माध्यम बनी; यदि वह माध्यम न बनती तो कवि बच्चे को देख-जान न पाता। माँ शिशु को पिता से मिलाती है, उसे पहचान और अपनापन सिखाती है तथा उसका पालन-पोषण करती है। [2]
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

Q11. [8]

(i) खेल में बच्चों ने चूहे के बिल में पानी डाला तो उसमें से साँप निकल आया। बच्चे चीखते हुए भागे; भोलानाथ लहूलुहान और भयभीत होकर घर आया। पिता बाहर बैठे थे और उसे पुकारते रहे, पर वह उनकी ओर न गया। माँ की गोद उसे सबसे सुरक्षित लगी; माँ ने हल्दी लगाई और आँचल में छिपा लिया। माँ की ममता भय को दूर करती है। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख) [4]
(ii) नदियाँ हमें जल, अन्न, बिजली और जीवन देती हैं; पर्वत वर्षा, वन, औषधियाँ और बर्फ के रूप में जल-संचय देते हैं। सारी सभ्यताएँ नदियों के किनारे फली-फूलीं। हम इनके अपार ऋण को स्वार्थवश प्रदूषण व दोहन से चुकाने के बजाय बढ़ा रहे हैं; अतः इनकी रक्षा हमारा कर्तव्य है। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख) [4]
(iii) लेखक के अनुसार लिखने का प्रमुख कारण भीतरी विवशता है, जो अनुभूति से उपजती है। दूसरा कारण स्वयं को जानने-समझने की इच्छा है। साथ ही संपादकों का आग्रह, प्रकाशकों का तकाज़ा और आर्थिक आवश्यकता जैसे बाहरी दबाव भी लिखने के कारण बन सकते हैं, पर भीतरी प्रेरणा अधिक सशक्त होती है। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख) [4]
(किन्हीं दो के उत्तर पर 4×2=8 अंक)

खंड – घ

रचनात्मक लेखन (20 अंक)

Q12. **[6]**

मुख्य बिंदु : हल्दी, अदरक, जीरा, तुलसी आदि के औषधीय गुण; दाल-रोटी-सब्ज़ी-दही से संतुलित भोजन; घर का बना भोजन स्वादिष्ट व पौष्टिक, फास्ट फ़ूड से बचाव। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

OR

मुख्य बिंदु : इंटरनेट से वस्तुएँ मँगवाना; समय व श्रम की बचत, छूट, घर-बैठे सुविधा; ठगी से बचने हेतु विश्वसनीय साइट, ओ.टी.पी./कार्ड-विवरण गोपनीय रखना, समीक्षा देखना। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

OR

मुख्य बिंदु : रिश्तों से सुख-दुख बँटते हैं; मोबाइल में डूबकर बातचीत कम; ऑनलाइन-ऑफ़लाइन में संतुलन, परिवार को समय। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

Q13. **[5]**

प्रारूप : प्रेषक का पता व दिनांक; सेवा में, संपादक, दैनिक समाचार-पत्र; विषय; महोदय; भवदीय व नाम। मुख्य बिंदु : दिन-रात की बिजली कटौती से पढ़ाई व घरेलू कामों में बाधा; छोटे व्यापार, बुज़ुर्गों व बीमारों को कठिनाई; पानी की मोटर व घरेलू उपकरणों पर असर; समाचार-पत्र के माध्यम से विद्युत विभाग का ध्यान आकर्षित करने व आपूर्ति सुधारने का अनुरोध। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

OR

प्रारूप : प्रेषक का पता व दिनांक; सेवा में, स्वास्थ्य अधिकारी व कार्यालय का पता; विषय; महोदय; भवदीय व प्रेषक का नाम। मुख्य बिंदु : नालियाँ कई दिनों से बंद, सड़कों पर कूड़े के ढेर; मच्छर व गंदगी से डेंगू-मलेरिया जैसे रोगों का खतरा; नियमित सफ़ाई, कूड़ेदान व नालियों की मरम्मत का अनुरोध; शीघ्र कार्यवाही व सहयोग का आश्वासन। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

Q14. **[5]**

प्रारूप : शीर्षक 'स्ववृत्त'; नाम, पता, दूरभाष, ई-मेल, जन्मतिथि; शैक्षणिक योग्यता; अनुभव; कौशल व रुचि; आवेदित पद; संलग्नक; दिनांक व हस्ताक्षर। मुख्य बिंदु : पत्रकारिता में स्नातक योग्यता; रिपोर्टिंग व लेखन का अनुभव; भाषा-कौशल व समसामयिक विषयों में रुचि; पत्रकार पद हेतु समाचार पत्र के प्रमुख को आवेदन; संलग्नक। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

OR

प्रारूप : प्रेषक-ई-मेल, प्राप्तकर्ता-ई-मेल, विषय-पंक्ति, संबोधन, विषय-विवरण, समापन व नाम। मुख्य बिंदु : विषय-पंक्ति 'ए.टी.एम. कार्ड न मिलने के संबंध में'; आवेदन व कार्ड न मिलने की सूचना; असुविधा का उल्लेख; शीघ्र कार्ड उपलब्ध कराने का आग्रह; विनम्र समापन। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

Q15. **[4]**

प्रारूप : आकर्षक शीर्षक, मुख्य संदेश, विशेषताएँ/लाभ, संपर्क-विवरण या आह्वान-वाक्य, प्रायोजक। मुख्य बिंदु : शीर्षक; प्रदूषण के दुष्परिणाम (श्वसन-रोग, जल-वायु प्रदूषण); उपाय (वाहन-जाँच, कूड़ा-प्रबंधन, वृक्षारोपण); आह्वान; पर्यावरण विभाग की ओर से। अंक-विभाजन : रचनात्मक प्रस्तुति 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

OR

प्रारूप : संबोधन, मुख्य संदेश, शुभकामना/बधाई, भेजने वाले का नाम व संबंध। मुख्य बिंदु : राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पर बधाई; शिक्षण-समर्पण व विद्यार्थियों पर प्रभाव; गौरव का भाव; आगे भी प्रेरणा देते रहने की शुभकामना। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

*** * * END OF PAPER * * ***